प्राक्कथन

''भारत में अनुसूचित वाणिज्य बैंकों की मूलभूत सांख्यिकीय विवरणियां'' यह प्रकाशन बैंकों के कई मुख्य मानदंडों पर कणीय आंकडे प्रस्तुत करता है । मूलभूत सांख्यिकीय विवरणियां 1 और 2 (मू.सां.वि.1 और 2) द्वारा, बैंकों की शाखाओं से जानकारी संग्रहित की गई है । मू.सां.वि.1 में रु.2 लाख से अधिक ऋण सीमा वाले ऋण खातों का खातावार आंकड़े तथा रु. 2 लाख तक के ऋण सीमा वाले ऋण खातों के व्यवसायवार समेकित आंकड़े शाखावार संग्रहित किये जाते हैं । मू.सां.वि. 2 में कर्मचारी, जमाराशियों के प्रकार और मीयादी जमाराशियों की परिपक्वता के स्वरुप आदि मानदंडों से संबंधित शाखावार आंकड़े संग्रहित किए जाते हैं । मू.सां.वि.1 और 2 के यह आंकड़े वर्ष 1972 से संग्रहित किये जा रहे हैं ।

श्रृंखला के इस उनतालिसवे खंड में, 31 मार्च 2010 की अनुसूचित वाणिज्य बैंकों की जमाराशियां और ऋण से संबंधित आंकडोंका विस्तृत विवरण प्रस्तुत किया गया है। इस खंड में 36 हजार से अधिक केन्द्रों पर फैले हुए लगभग 87 हजार शाखांओं के 11.8 करोड़ से अधिक ऋण खातों तथा 73.4 करोड़ जमा खातों के आंकड़ों का समावेश किया गया है। यह प्रकाशन, अलग अलग परिमाणों, जैसे खातों का प्रकार, संगठन, ब्याज दर की सीमा तथा ऋण–सीमा के आकार पर व्यवसायवार ऋण आंकड़ोका विस्तृत ब्योरा प्रस्तुत करता है । इस में व्यवसाय के प्रकार के अनुसार जनसंख्या समूह, बैंक समूह, राज्य और जिला पर आधारित ऋण के आंकडों की सूचना भी प्रस्तुत की गई है । इस खंड की एक विशेषता यह है कि इसमें ऋण की मंजूरी और ऋण का उपयोग दोनों के स्थानिक वितरण का समावेश है। यह प्रकाशन सी डी रोम (CD Rom) तथा भारतीय रिज़र्व बैंक वेबसाइट (Web) पर भी उपलब्ध है।

इस प्रकाशन से संबंधित बृहद् कार्य को भा.रि.बैं. के सांख्यिकी और सूचना प्रबंध विभाग के बैंकिंग सांख्यिकी प्रभाग द्वारा पूरा किया गया है । इस प्रकाशन को प्रकाशित करने की प्रक्रिया शुरू करनेवाले मुख्य दल का नेतृत्व निदेशक श्री. एस. बोस, ने किया है । इस दल में श्री. एस. गंगाधरन, सहायक परामर्शदाता, श्री. एस.सरकार, अनुसंधान अधिकारी तथा श्री. एस.ए.ऐवले और श्रीमती एस.एस.सुर्वे सहायक प्रबंधक सम्मिलित हैं ।

इस दल को विशेष सहायक श्रीमती एस.एस. कुलकर्णी, श्रीमती बी. तांबट तथा श्रीमती ए. तिलक आदि का कुशल सहयोग मिला है । इस प्रभाग के अन्य सदस्यों का सहयोग भी सराहनीय रहा है ।

डॉ. ए.बी. चक्रवर्ती, प्रभारी परामर्शदाता और डॉ. गौतम चटर्जी, परामर्शदाता, ने सूचना के गुणवत्ता पर जोर देते हुए, इस अंकके प्रकाशन में आवश्यक मार्गदर्शन किया है । मेरा विश्वास है कि पिछले वर्ष के प्रकाशनों की भांति यह खंड भारत में बैंकिंग क्षेत्र में सूचना का एक महत्वपूर्ण स्रोत बनेगा ।

दीपक मोहंती
कार्यपालक निदेशक